23 / 01 / 77 की अव्यक्त वाण

पर आधारित योग अनुभूति

महीनता में ही महानता हैं वैसे महीन बुद्धि

बन फरिश्तेपन की अनुभूति करवाना

➢➢ एक सेकंड में इसलोक से परलोक निवासी बनने वाली इंद्र सभा की परी हूँ

➳ _ ➳ इंद्रप्रस्थ की इंद्रसभा सदा ग्यान की बरसात बरसाने वाले

→ कांटों के जंगल में हरियाली लाने वाली ऐसी इंद्रसभा की परी हूँ

■ मै सदा ग्यान और योग के पंख से निरंतर उड़ती रहती हूँ और ग्यान बरसात बरसाने वाली हूँ

➳ _ ➳ ग्यान योग के पंख से सदा ऊंचे ते ऊंचे उड़ती रहती हूँ.

→ बापदादा के संग तीनो लोक की सैर करनेवाली परी हूँ

■ बापदादा मुझ आत्मा को सूक्ष्मवतन की सैर करा रहे हैं

➢➢ सूक्ष्मवतन में चारों ओर फरिश्ते ही फरिश्ते नज़र आज रहे हैं

➳ _ ➳ फरिश्तापन अर्थात हल्केपन से ऊपर उड़ती जा रही हूँ

→ सारा वतन सफेद चाँदनी सा चमकीला नज़र आ रहा था फरिश्ते बादलों पर सवार थे बहुत सुन्दर दृश्य लग रहा था

■ यह एक अलौकिक सभा हैं सभी फरिश्ते सुंदर चमकीले अलौकिक ड्रेसमे बहुत सुन्दर दिख रहे थे उनकी अलौकिक डांस देख मुझ आत्मा भी मन की डांस करने लगी इसका एक अलौकिक आनंद की अनुभूति हो रही थी

➳ _ ➳ मै आत्मा एक सेकंड मे इस देह की दुनिया से परे अपनी असली स्थिति में स्थित होकर जब चाहे, जैसे चाहे, जितना समय चाहे वतन में अलौकिक सैर कर सकती हूं

→ मै आत्मा बाप समान बन मंगल मिलन मना रही हूँ

■ मुझ आत्मा का बोज़ उतरने से मै आत्मा महीन बुद्धि बन जहां चाहु वहां बुद्धि लगा सकती हूँ..

➢➢ मै आत्मा देह अभिमान से परे हूँ

➳ _ ➳ मै हल्कापन अनुभव कर रही हूं

→ मै चढ़ती कला का अनुभव कर रही हूं

■ मै आत्मा फॉलो फादर कर बोज़ से मुक्त हूँ

➳ _ ➳ मुझ आत्मा की फरिश्तेपन की अनुभूति बढ़ रही हैं

→ मुझ आत्मा की सेवा करने की स्पीड बढ़ती जा रही हैं

■ मै आत्मा महीन बुद्धि बनने से अशरीरीपन का अनुभव हो रहा हैं

➳ _ ➳ मै आत्मा बुद्धि का भोजन संकल्पों की परहेज बापदादा की मदद से कर रही हूं

➳ _ ➳ संकल्पों की परहेज से सेल्फ कंट्रोल आज रहा हैं

➳ _ ➳ महीन बुद्धि भी जितना समय चाहु बापदादा के संग का रंग लगाती जा रही हूँ

➳ _ ➳ महीन बुद्धि से मुझ आत्मा महानता का अनुभव कर रही हैं

→ मै शक्तिशाली फरिश्ता हूं

→ मै आत्मा लाइट हाउस माइट हाउस फरिश्ता हूँ

→ लाइट और माइट की किरणे मुझ आत्मा से निरंतर चारो ओर फैल रही हैं

→ सारे विश्व की आत्माओं को लाइट माइट की किरणे दे रही हूँ

→ पांचों तत्वों को भी लाइट माइट से पवित्र बनाती जा रही हूँ

- मै आत्मा इंद्रप्रस्थ की परी हूँ
- सदैव बाप के साथ मिलन मनाने वाली हूँ
- मुझ आत्मा को बापदादा महीन बुद्धि बनाकर महान आत्मा बनाते जा रहे हैं
- मुझ आत्मा को बापदादा आप समान बनकर ऊंचे ते ऊंचा स्थान पर ले जा रहे हैं और बाप समान मेरा गुण कर्तव्य ऊंच ते ऊंच बना रहे हैं